आईआईएम में हुआ आईसीडीई और आईएसडीएसआई का आयोजन

ई बी स्कूल के एक्सपर्ट ने 14 विषयों पर दी बिजनेस की नई जानकारियां

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

रायपुर ◆ आईआईएम रायपुर का आईसीडीई का तीसरा और 14वें आईएसडीएसआई का आयोजन किया गया, जिसमें देशभर के ई बी-स्कूलों के शिक्षाविदों द्वारा 14 समानांतर विषयों पर अकादमिक पेपर्स की प्रस्तुतियां दी गईं। तीन दिवसीय कार्यक्रम का मंगलवार को समापन हुआ। कॉरपोरेट ह्यूमन रिसोर्स लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड के वीपी एंड हेड डॉ. सी. जयकुमार, ने कर्मचारी जुड़ाव की अवधारणा पर बात की। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करना चाहिए, उनमें स्वामित्व की भावना होना चाहिए, और कंपनी और इसके नेतृत्व में विश्वास होना चाहिए।

आईआईएम रायपुर के निदेशक प्रोफेसर भारत भास्कर ने शिक्षा के मॉडल के पुनर्गठन पर अपने विचार साझा किए और कहा कि यह हमारे आसपास के वातावरण को आकार देने पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि जिस बुनियादी ढांचे पर आप अपने व्यापार का निर्माण करते हैं, वह तेजी से अप्रचलित हो जाता है।

आईआईएम नागपुर के निदेशक प्रोफेसर भीमराय मेत्री ने इस बात का उल्लेख करते हुए चर्चा को आगे बढ़ाया कि शिक्षा का भविष्य बेहद उज्ज्वल है। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन मेन लाइन बन गया है, मेन लाइन ऑफलाइन हो गई है और इस परीक्षा के समय में क्षमता के महत्व पर जोर दिया।

आईआईएम संबलपुर के निदेशक प्रोफेसर महादेव जायसवाल ने यह कहते हुए अपनी चर्चा शुरू की कि अधिक से अधिक डिजिटलकरण संगठनों में पहले से ही हो रहा है। डीएसआई एशिया पैसिफिक डिवीजन के उपाध्यक्ष प्रोफेसर खेडकर एकनाथ ने कहा कि डेटा एनालिटिक्स के साथ-साथ नेगोशिएशन और कम्युनिकेशन कौशल भविष्य के व्यावसायिक स्कूलों के लिए महत्वपूर्ण हैं।

मैनेजमेंट एजुकेशन की मिली जानकारी

निदेशक पैनल का एक विशेष कार्यक्रम भारत में प्रबंधन शिक्षा विषय पर आयोजित किया गया था। प्रोफेसर रवि कुमार जैन (निदेशक एसआईबीएम हैदराबाद) ने कहा कि कोविड ने कुछ महीनों में प्रौद्योगिकी अपनाने की प्रक्रिया को तेज कर दिया है और वैश्विक उद्योग 4.0 की ओर अग्रसर है।

Patrika, 30th Dec. 2020 p. 05.jpeg